हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

¼Li'kZ½ ¼ikB 11 ½¼uthj vdcjkcknh & vkneh ukek½

¼d{kk 9½

प्रश्न अभ्यास

lाश्न 1 %

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए &

¼d½ +

पहले छंद में कवि की दृष्टि आदमी के किन–किन रूपों का बखान करती है ।

mRrj d%

पहले छंद में कवि ने आदमी के निम्न रूपों को दर्शाया है वह बादशाह (राजा सम्राट) मुफ़लिस (दीन और दरिद्र) गदा (भिखारी और फकीर) , ज़रदार (अमीर) बेनवा (कमजोर) आदि रूपों का बखान करती है ।

¼[k½ +

चारों छंदों में कवि ने आदमी के सकारात्मक ओर नकारात्मक रूप को परस्पर किन–किन रूपों में रखा है ? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

mRrj [k %

चारों छंदों में कवि ने आदमी के सकारात्मक ओर नकारात्मक रूप को परस्पर निम्नलिखित रूपों में रखा है

vkneh dk ldkjkRed :Ik	vkneh dk udkjkRed :i
बादशाह	मुफ़लिस , गदा
ज़रदार	जूतियाँ चुराने वाला
निअमत चबाने वाला	जान से मारने वाला
मसजिद बनाने वाला	कमीना
मदद के लिए दौड़ने वाला–अशराफ़ , शाह , वजीर , मुरीद , पीर , नज़ीर	पगड़ी उछालने वाला

¼x½ +

'आदमी नामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर आपके मन में आदमी के प्रति क्या धारणा बनती है?

mRrj x %

कविता के इन अंशों को पढ़कर हमारे मन में आदमी के प्रति यही धारणा बनती है कि जो साधन सम्पन्न है वह इस दुनिया पर अपना अधिकार समझता है और समय–समय पर दूसरों को नीचा दिखाने से भी नहीं चूकता । वह अपने कर्मों गुणों और कियाकलापों से अच्छा या बुरा बनता है । पर इस दुनिया में आदमी के दोनों ही रूपों का अपनी–अपनी जगह महत्त्व है जिसे नकारा नहीं जा सकता । दानों रूपों के होते हुए भी पहले वह आदमी है ।

¼?k½ %
इस कविता का कौन सा भाग आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों ?

mRrj ?k %
इस कविता का दूसरा भाग ' मसजिद भी. . . . .वो भी आदमी सबसे अच्छा लगा , इसमें छिपा व्यंग्य आदमी की पूरी तस्वीर को सामने लाकर रख देता है जहाँ पर मसजिद बनाने वाला , उसमें नमाज़ पढ़ने पढ़वाने वाला , मसजिद के बाहर जूतियों की रखवाली करने वाला और उसको चुराने वाला आदमी ही है मगर समय और रुतबे के अनुसार उसके रूप अलग–अलग हैं ।

¼M½ %
आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए ।

mRrj M %
इस समाज में हर व्यक्ति की प्रव्त्ति एक जैसी नहीं होती है । वह उसके समय और परिथिति के अनुरूप बदलती रहती है । जहाँ एक ओर आदमी दूसरे की भलाई करने के लिए अपनी जान की भी परवाह नही करता है वहीं दूसरी ओर आदमी दूसरे की जान लेने से भी पीछे नहीं रहता । कोई अपनी अमीरी का रोब दिखाता है , कोई अपनी गरीबी को ही अपना भाग्य मानकर खुश रहता है । कोई अपने ज्ञान को बड़ा मानता है और उसी के आधार पर दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश करता है । कोई मालिक बनकर अकड़ता है कोई नौकर बनकर सबकुछ सहता है । कोई रखवाली करता है कोई चोरी करता है ।

प्रश्न 2 %
निम्नलिखित अंशों की व्याख्या कीजिए –
¼d½ %
nfu;k esa ckनशkkg gS lks gS og Hkh vkneh
vkSj eqQfyl & vkSxnk gS lks gS oks Hkh vkneh

mRrj d %
कवि के अनुसार इस दुनिया पर राज करने वाला भी आदमी है और जो प्रजा है वह भी आदमी है कोई सम्पन्न है कोई गरीब है कोई बहुत ही दीन दुखी है कोई दरिद्र है कोई भिखारी है सभी समाज का हिस्सा हैं और अपनी स्थिति के अनुसार इस समाज में योगदान देते हैं।

¼[k½ %
vशjkQ vkSj deheus ls ys शkkg rk othj
;s vkneh gh djrs gSa lc dkjs fnyi thj

mRrj [k %
कवि के अनुसार सज्जन और शैतान से लेकर राजा और मंत्री तक सभी आदमी ही हैं और अपने दिल को अच्छे लगने वाले कार्य ही करते हैं ।

प्रश्न 3 %

निम्नलिखित में अभिव्यक्त व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए –

¼d½ %

Ik<r gi vkneh gh djvku vk uekt ;k
vkj vkneh gh mudh pjkr gi tfr;k
tk mudk rkMrk g lk g ok Hkh vkneh

mRrj d %

यहाँ पर एक तीखा व्यंग्य करते हुए कवि ने कहा है कि कैसा संयोग है कि एक आदमी मसजिद में अवाम की भलाई और खुद के सुकून के लिए नमाज़ पढ़ता है । दूसरा आदमी उनकी जूतियों की देखभाल करके लोगों की सेवा करता है और तीसरा वह है जो लोगों की जूतियाँ चुराना अपना फर्ज़ समझता है । आदमी के ये तीनों ही रूप वड़े उलझे हुए हैं।

¼[k½ %

ixMh Hkh vkneh dh mrkj g vkneh
fpYyk d vkneh dk i|dkj g vkneh
vkj lud nkMrk g lk g ok Hkh vkneh

mRrj [k %

आदमी के स्वभाव पर व्यंग्य करते हुए कवि ने कहा है कि कहीं आदमी आदमी की पगड़ी उछालता है तो कहीं वह दूसरे आदमी को चिल्ला कर बुलाता है और उस आवाज को सुनकर दौड़ने वाला भी आदमी ही है आदमी के कितने ही रूप इस समाज में बिखरे हुए हैं ।

प्रश्न 4 %

नीचे लिखे हुए शब्दों का उच्चारण कीजिए और समझिए कि किस प्रकार नुक्ते के कारण उनमें अर्थ परिवर्तन आ गया है ।

d	[k
jkt ¼jgL;½	Qu ¼dkS'ky½
jkt ¼jkT;½	Qu ¼lkIk dk eg½
tjk ¼FkkMk½	Qyd ¼vkdk'k½
tjk ¼c<kik½	Qyd ¼ydMh dk r[rk½

tS vkj Q l ;Dr nk&nk 'kCnk dk fyf[k, A

mRrj
rt ¼ped] ijkdze½
rt ¼oxoku] rhoz] iuk½
ckt ¼?kkMk½
ckt ¼,d i{kh] ofpr ½
Qky ¼Mx] Bkl oLrq dk VqdMk ½
Qky ¼'kxu½
Qykuk ¼ Qyus dk dkj.k gkuk ½
Qykuk ¼veqd ½

प्रश्न 5 %
fuEufyf[kr eqgkojk dk okD;k e iz;kx dhft, &

¼d½ VqdM pckuk & गरीबी के कारण उसे टुकड़े चबाने पड़ रहे हैं ।
¼[k½ ixMh mrkjuk & मोहन ने सोहन की पगड़ी उतार दी ।
¼x½ ejhn gkuk & गायक का फन (हुनर) देखकर लोग उसके मुरीद हो गए ।
¼x½ tku okjuk & देश की रक्षा के लिए सैनिक अपनी जान वार देते हैं।
¼M½ rx ekjuk & तेग मारकर उसने तो अपना ही नुकसान कर लिया A